सत्य और अर्थपूर्ण जीवन की खोज करने वालों के लिए

मृत्युंजय ख्रिस्त

लेमेन्स इवैंजलिकल फैलोशिप इंटरनेशनल, मई-जून, 2015

सच्ची आराधना

परमेश्वर के साथ सही बनो

'तब मरियम ने जटामांसी का आधा किलो बहुमूल्य और असली, इत्र लेकर यीशु के पैरों पर मला और अपने बालों से उसके पैर पोंछे और इत्र की सुगन्ध से घर सुगन्धित हो गया।' (यूहन्ना 12:3)

इधर शाम भोजन के समय आराधना जारी थी। एक आदमी जो कब्र से मर कर जी उठा था, उसकी बहनों ने यीशु के लिए एक महान दावत तैयार की। विश्वास की विजय का उत्सव, एक महान रूप से मनाया जाना था। ऐसे सिद्ध होठों से निकले परमेश्वर के वचनों को सुननेवाला यह परिवार था। ज़ाहिर है वह ऐसा परिवार बनेगा जो इस बात पर विश्वास कर सकता है कि चार दिन से दफन एक मरा हुआ आदमी फिर से जी उठ सकता है।

सच्ची आराधना ... पृष्ठ 2 पर

आत्मिक उन्नति के लिए देखना न भूलें।

परमेश्वर की चुनौती

Star Utsav

चैनल पर

*हर **रविवार सुबह 7:30 से 8:00** बजे*

'अहा! परमेश्वर का धन, बुद्धि और ज्ञान कितने अगाध हैं! उसके विचार कैसे अथाह, और उसके मार्ग अगम्य हैं। (रोमियों 11:33)'

हम ऐसे युग में जी रहे हैं जहाँ सब कुछ उपरी और असहज हैं। इस में कोई सन्देह नही है। सब कुछ चमकीली पन्नी, दिखावे की सतह और चाँदी के रंग में, चमचमाती क्रोम की परत के समान है। कुछ विपत्ति या दुर्घटना घटती है तो, जो कुछ भी बचता है वह सिर्फ छोटे-छोटे टुकड़े है। और टेढ़ा-मेढ़ा लोहे का कंकाल, जो पहचान से परे है। मगर ज्यादातर लोग अपनी संसारिक धन-सम्पत्ति की अल्पकालिक चमक-दमक के लिए अपना सब कुछ दांव पर लगा देते है।

दुर्भाग्यवश कई कलीसियाँओं को भी इस छिछले ऊपरी दिखावे ने जकड़ लिया है। ऐसा मन-परिवर्तन जिस में पश्चाताप करने की जरूरत नहीं है - आज अधिकतर कलीसियाएं और प्रचारक लोग यही प्रचार कर रहे हैं। मन को गहराई से खोदना, अपने जीवन पर राज करनेवाले दुष्ट उद्देश्यों पर से परदा हटाना और छिपे हुए पापों के बारे में पश्चाताप करना, यह सब लोगों को बुरा लगता है। यह ऐसी बात है जिसका मानवीय स्वभाव विरोध करता है। उघाड़ने से और मन के गहराई से जाँचे जाने से हम घृणा करते हैं। मगर प्रभु यीशु केवल यही करते हैं। जाँच-पड़ताल और रोग-जाँच, इलाज करने के लिए ज़रूरी है।

ऐसे रोग के लक्षण बताकर जो तुम में है ही नहीं, तुम अपने डॉक्टर को गुमराह करने की कोशिश कभी नही करोगे। तुम डॉक्टर को जहाँ तक हो सके, रोग के लक्षण का सही-सही विवरण देना चाहोगे, ताकि तुम्हारी समस्या क्या है, पता लगाने में डॉक्टर की मदद हो सके।

संत पौलुस पुकारते है, 'परमेश्वर का धन, बुद्धि और ज्ञान कितने अगाध है। उसके विचार कैसे अथाह, और उसके मार्ग कैसे अगम्य है।'

हाँ, यीशु मसीह में गहराइयाँ है। शुद्धता, सामर्थ्य और पूर्णता में भी गहराइयाँ है। जब हमारे चारों ओर के ईसाई लोगों की आज की हालत को देखोगे तो, सिर्फ हमारी इच्छा छिछली ही नज़र आती है। प्रारम्भ में जो चेले थे, ऐसे व्यक्ति थे, जो किसी भी परिस्थिति का सामना

कर सकते थे, इस गहरे आश्वासन से कि उनका प्रभु जो फिर से जी उठा है, वह उन्हें बार-बार छुटकारा देगा। यीशु उनके लिए ज़रूरत से ज्यादा था। उनका, ऐसा विश्वास था। मूर्तिपूजा करने वालों और अनैतिक समाज के बीच वे विजेताओं से बढ़कर थे।

मसीह आज भी पर्याप्त है। उनके वादे हमारे लिए काफ़ी हैं। मसीह में स्थित निधि और परमेश्वर के वचन की गहराइयों में जब तुम पहुँचते जाओगे, तो तुम्हारा हृदय एक नई आशा और एक नए अवलोकन से रोमांचित हो उठेगा। तुम सीधे उस खान कूप में पहुंचते हो। और चारों ओर स्फटिक में स्थित सोने की ठोस लकीरें दिखती हैं, वह केबल-कार तुम को गहराई और गहराई में ले जायेगी। वह सब तुम्हारा है। परमेश्वर तुम्हारा ज्ञान है। वह तुम्हारा उद्धार है। वह तुम्हारा पवित्रीकरण है। यीशु मसीह में यह सारे धन तुम्हारे लिए है। यहाँ तक कि उसने अपने अपको हमारे लिए दे दिया है। उसके पास ऐसा कुछ भी नहीं जिससे उसने, हमें वंचित रखा।

मेरे पिताजी बड़ी आध्यात्मिक गहराई वाले आदमी थे। और दूसरों में भी वह गहराई देखना चाहते थे। उनके जीवन काल में, हजारों लोगों को मन-परिवर्तन के गहरे अनुभव में लाने के लिए परमेश्वर ने उनको सामर्थ दी। उनमें से करीब-करीब सब लोगों ने प्रार्थना करना सीखा था। और हर रोज एकान्त में प्रार्थना करने की आदत डाली थी। इसमें कोई आश्चर्य की बात नहीं कि अस्वस्थ लोगों को चंगा करने में और अशुद्ध आत्माओं को बाहर निकालने में, परमेश्वर ने उन्हें महान रूप से उपयोग किया था। परमेश्वर का वचन उन सारी अन्धकार की शक्तियों के कामों के ऊपर प्रबल और विजयी रहा है।

दूसरी ओर, छिछले मसीही लोग अपनी बातों से पहचाने जाते है। परमेश्वर का गहराई से अनुगमन करने वाले जन के बारे में, वे बहुत ही हल्के तरीके से बातें करते हैं। लोगों के विवाद ने, स्वयं परमेश्वर के पुत्र को भी नही छोड़ा। उनको पियक्कड़, पापियों का दोस्त और बालजबूल कहा गया। बढ़ई के पुत्र कहकर उसको तुच्छ जाना गया। मगर जहाँ उनको दुःख झेलना था और क्रूस पर मरना था, यीशु उस यरूशलेम की तरफ मुँह कर दृढ़ता से आगे बढ़े।

अब, उस पुराने जिल्द को फ़ाड दो। और उस पतली परत को खुरज कर निकाल दो, जिससे तुम अब तक अपने असली स्वभाव को छिपाते रहे हो। सच्चे पश्चाताप के साथ क्रूस के पास आओ। एक नया जीवन पाने के लिए प्रभु यीशु को पुकारो। उनके प्यार और निधि में और भी गहराइयाँ है जिनकी तुम्हें खोज करनी है।

- जोशुआ दानियेल

सच्ची आराधना... पृष्ठ 1 से

उनका हृदय आभार से भरा है। आपतकाल में, किसी भी समय पैसों में बदलने योग्य बहुमूल्य इत्र घर में सुरक्षित रखा हुआ है। मरियम ने उस इत्र को लिया। लाकर उसे पात्र को फोड़ दिया। क्यों? उसने उद्धारकर्ता को पा लिया है। वह विश्वास से भरी थी। यह आराधना, स्तुति, आदर और इबादत का एक कार्य है। उस आराधना का प्रभाव सब ने महसूस किया। वह परमेश्वर के राज्य से, संबंधित औरत थी। मगर वहाँ एक ऐसा व्यक्ति भी था जो उससे बिलकुल खुश नहीं था। वह कैसर के राज्य से संबंध रखने वाला आदमी था। परमेश्वर के राज्य से बाहर, पैर हटाकर कैसर के अंधकारमय राज्य में उसने कदम रखा था। विश्वास की संभावना को वह नहीं जानता था। उसने सिर्फ बटुआ को देखा और फिर कितना उससे वह चुरा सकता है। वह अभी भी अंधकार और पाप में था जबकि वह कैसर की सेवा में लगा

ALLAHABAD : Beautiful Books, 194A, Old Mumford Ganj,Pin Code-211 002, Uttar Pradesh, Ph.0532- 2642872.
BANSI : Eton English Medium School,Chitaunakothi,Siddharth Nagar Dt, Pin Code-272 153, Uttar Pradesh, ph.05545-255002
CHENNAI : LEF Head Quarter, 9-B, Nungambakkam High Road, Chennai, 600 034, 044-2827 2393
MUMBAI : Beautiful Books,Hotel Victoria, Ground Floor,SBS Marg,Near GPO, CST, Pin Code.400001, Ph.022-56334763/ 25008840
GANGTOK : Beautiful Books, P.B.No.94,31A, National Highway, Below High Court, Sikkim, Pin Code.737101 Ph.03592-228733
SHILLONG : Beautiful Books, P.B.No.39, Nongrimbah Road, Laitumkarh,Pin Code.793003, 0364-2501355

है और हाथ बढ़ा कर परमेश्वर का राज्य से भी संबंध रखना चाहा। [उसका नाम यहूदा है।]

एक सूबेदार [अपने लकवे के मारे सेवक के चंगा होने पर, यीशु पर विश्वास रखा, (मत्ती 8:5-13 देखे] निश्चित ही वो परमेश्वर के राज्य से संबंधित है। वह एक सेवक के प्रति लगाव रखता और उसके लिए बहुत चिंतित था। यह बात परमेश्वर के राज्य से संबंधित होने का एक ठीक नमूना है। वह निश्चित ही कैसर के राज्य से संबंधित व्यक्ति नहीं है। विश्वास के जरिए कितना कछ संभव है वह देख पाया था। विश्वास के विषय में यहूदा तो एक दम मुर्दे की तरह था। वह विश्वास नहीं कर पाया कि यीशु को बेचे बिना ही वह अपने आर्थिक स्थिति को बेहतर बना सकता है। उसने सोचा, चांदी के तीस सिक्कों से वह अपनी मुश्किलों से बाहर हो जायेगा।

आदमी जो कैसर के राज्य से संबंआ रखने वाले हैं हर एक विषय को वे पैसों से तोलते है। वे परमेश्वर के लिए कोई काम के नहीं है। क्या आप विश्वास करते हो कि परमेश्वर आपका उपयोग कर सकते हैं? क्या आप परमेश्वर पर विश्वास में आगे बढ़ रहे हो? क्या आप कैसर के राज्य से ऊपर उठे हो जहाँ हर एक गणना पैसों से की जाती है? क्या आपने परमेश्वर के राज्य में कदम रखा है, जहाँ एक सीमित आदमी परमेश्वर पर विश्वास करने के द्वारा असीमित अस्तित्व बन जाता है?

- एन. दानिएल।

दुःख में साथी - यीशु मसीह

भारत में पलते समय मिमोसा हिन्दू धर्म से प्रेममय परमेश्वर की तरफ फिरी थी। कई सालों तक (जिसके दौरान उसने शादी की थी और बच्चे भी हुए थे) परमेश्वर का मार्ग के विषय में शायद ही उसे किसी मनुष्य से शिक्षा मिली हो - मगर परमेश्वर के आत्मा ने उसे सिखाया था।

मिमोसा की बड़ी चाहत थी कि उसके बेटें, सच्चे, जीवित और पवित्र परमेश्वर की उपासना करने का चुनाव कर पाये। मगर कैसे? उसने अपने आप को प्रार्थना में लगाया। उसके प्रार्थना के बहाव, व्यस्त दिन के दौरान भी चलते-चलते रात तक भी बहती रहती। उसकी प्रार्थना हमेशा शब्दों में ही बयान नहीं होती क्योंकि उसके अंदर प्रज्वलित चाह शब्दों की तलाश में इंतजार नहीं कर पाती। 'मैं एक प्रार्थना हूँ' यह शब्द - शायद उसका वर्णन करते है। पढ़ा लिखा उसका भाई उसे ताना मारता: 'तुम सोचती हो कि तुम प्रार्थना कर सकती हो? तुमने किससे प्रार्थना करना सीखी है?' तुम जो पढ़ नहीं सकती हो, पहला अक्षर भी नहीं पढ़ पाने वाली मूर्ख क्या तुम सोचती हो कि तुम प्रार्थना कर पाओगी?

मिमोसा जो दीन और दरिद्र थी, वे शब्द गहरे रूप से उसे चुभ गये। अगर उसकी धारणा ही गलत हो, तो फिर क्या?

नबी यिर्मयाह ने भी एक बार अपने दुःख में परमेश्वर को पुकारा था: 'क्या तू वास्तव में मेरे लिए धोखा देने वाली उस नदी के समान है जिसके जल पर भरोसा नहीं किया जा सकता?' फिर भी मसीह निकट आये, वह मसीह जिसने पतरस से कहा था, 'मैंने तेरे लिए प्रार्थना की है तेरा विश्वास चला न जाए।' 'क्या मैं तेरे लिए जंगल बना था?' (परमेश्वर कहते है। यिर्मयाह 2:31) उस पर खुशी छा गयी; मिमोसा जानती थी कि उन कठिन सालों के दौरान वह उसके लिए क्या बना था। 'तुम सीखने के द्वारा परमेश्वर को जानते हो' बाद में वह अपनी मसीही बहन से कहती, 'मगर मैं उसे अपनी पीड़ा के द्वारा जानती हूँ' ऐसा नहीं कि उसकी बहन ने कष्ट नहीं सहे थे - फिर भी उसके पास बाइबल और कई सारी किताबें थीं। और मिमोसा जिसे तमिल का पहला अक्षर भी मालूम ना था, अपने दुःख के जरिये उसने परमेश्वर के बारे में सीखा था।

दुख के समय यीशु मसीह के अलावा कौन दुख में सहभागी हो सकता है, जो स्वंय क्रूसित हुआ, जो जी उठा मुक्तिदाता है?

'मेरे अध्ययन कक्ष में मिलेट, गोएत, टॉलस्टॉय, बीथोवन और गतसमनी के बगीचे में यीशु मसीह की तस्वीरें लगीं हैं,' एक चीनी विद्यार्थी ने जो तब तक मसीही नहीं बना था, अपने दोस्त जो पैरिस में है, उसको लिखता है। 'एक सुन्दर चित्र देख ने बाद, कुछ अद्भुत कविता पढ़ने के बाद या कुछ उत्कृष्ट संगीत सुनने के बाद मेरा आत्मा, यीशु की नहीं बल्कि दूसरे विख्यात व्यक्तियों की तस्वीरों को देखने के लिए आकर्षित होता है। मगर जब मेरा मन व्याकुल है तो वे सब उस समय लुभावने नहीं लगते: सिर्फ बगीचे में पीड़ा उठाते यीशु को, देखकर मनन करना ही मुझे दिलासा देने में सामर्थ लाता है।'

कोई भी तस्वीर, परमेश्वर से हमारा मेल-मिलाप नहीं करवा सकती - मगर सिर्फ यीशु मसीह करते है। 'निश्चय उसने हमारी पीड़ओं को आप सह लिया और हमारे दुःखों को उठा लिया। फिर भी हमने उसे परमेश्वर का मारा-कूटा और दुर्दशा में पड़ा हुआ समझा। परन्तु वह हमारे ही अपराधों के कारण बेधा गया, वह हमारे अधर्म के कामों के लिए कुचला गया; हमारी ही शान्ति के लिए उस पर ताड़ना पड़ी, उसके कोड़े खाने से हम चंगे हुए। हम तो सब के सब भेड़ों के समान भटक गए थे, हम में से प्रत्येक ने अपना अपना मार्ग लिया, परन्तु यहोवा ने हम सब के अधर्म का बोझ उसी पर लाद दिया।' (यशायाह 53:4-6)

- एमी कारमैइकल का 'मिमोसा: ए ट्रू स्टोरी' देखे।

आप, मैं, या अन्य कोई भी!

हाइड पार्क में एक दोपहर का समय, सामान्य रूप से वहाँ आने वाले पर्यटकों को एक आदमी प्रचार कर रहा था। अपने संदेश के अंत में वह अपने दर्शकों को खारिज करने ही वाला था कि किसी ने उसका हाथ छूकर उसे रोक दिया। फिरकर उसने एक आदमी को देखा था। उसके पहनावे से साफ जाहिर था कि वह देहाती है। उस प्रचारक को विनम्रता से उसने विनती की कि उन लोगों से एक बात कहने की अनुमति दे। कुछ ही हफ्तों पहले घटित अपने मन फिराव के बारे में बताने की इजाजत देने के लिए उसने विनती की थी।

उसका देहाती अंग्रेजी का उच्चारण, खुशी से भरा चहरा और उसके हार्दिक शिष्टचार ने अपने दर्शकों का ध्यान पूरी तरह से अपनी ओर खींच लिया।

उसकी कहानी इस तरह थी:

'यह सज्जन जो अभी आप से बात कर रहे थे, उन्होंने मुझे इजाजत दी है कि जो मेरे मन में है, मैं आप को बता सकूं। पिछले कुछ हफ्तों से यह मेरे दिल में बसी है। मैं एक गरीब परिश्रम करनेवाला आदमी हूँ। मैं एक विद्वान तो नहीं। आप मेरी बातों का व्याकरणबद्ध होने की आशा ना करे और मेरे सरल शैली की कृपया परवाह ना करे। और प्रभु ने मुझे कैसे बचाया आप को बताने की इजाजत दें।

मैं अपने मालिक के खेत को जोत रहा था जो सड़क के बाजू में है। और फिर नजदीक ही घेरा के आड़े अपने रोटी-सब्जी खाने बैठ गया था। घोड़े खेत के हल-खाचों में खड़े थे। इतने में एक आदमी ने फाटक के ऊपर से झुककर अंदर देखा था कि क्या संभाव्य है। मुझे देखकर फाटक पार करके, मैं जहाँ बैठा था वहाँ आ गया। उसने कहा कि वह एक सुहाना दिन है। परमेश्वर की कृपा से सही है मैं ने कहा। हमारे यहाँ हम ऐसा कहने के आदी है, हाँलाकि हम परमेश्वर के बारे में हमेशा तो सोचते नहीं है।

'कैसे भी, वह मुझ से तेजी से बातें करने लगा, हाँलाकि वह सत्य बात कर रहा था। उन्होंने कहा: 'क्या आपके आत्मा को बचाने के परमेश्वर के अनुग्रह के बारे में जानते हो?' मैं चौंक गया और कहा, 'जरूर हम सब बचाये जाना चाहते हैं। और मरने से पहले ऐसा होने की आशा करते है।' मेरे जीवन में जो पहले कभी नहीं सुना था, ऐसी कई सारी बाते उन्होंने की ... पुनः जन्म लेना, ऐसी कुछ बातें।"

जाने से पहले, एक पुस्तक निकालकर, उन्होंने कहा, 'मैं चाहता हूँ कि मैं इसे आपको दूँ। क्या आप इस अध्याय को पढ़ोगे जिस पन्ने को मैं ने मोड़ा है? मैंने अपने पूरे दिल से उसे धन्यवाद दिया, मगर उससे कहा, मैं पढ़ा-लिखा नहीं हूँ। और कभी कुछ पुस्तक पढ़ी ही नहीं है।'

'ठीक,' उसने कहा, 'कोई बात नहीं, पढ़ा-लिखा पहला जो आदमी मिले, आपके लिए यह अध्याय उससे पढ़वा लेना।' इस तरह उस पुस्तक को छोडकर वह चला गया। फिर कभी आज तक दुबारा उस आदमी को नहीं देखा। एक पल

सत्य की परख!

'हे परमेश्वर, तू ही मेरा परमेश्वर है; मैं तुझे यत्न से ढूंढूंगा; सूखी और प्यासी, हां निर्जल भूमि पर मेरा प्राण तेरा प्यासा है।' (भजन संहिता 63:12)

यीशु खड़ा हुआ, और पुकार कर कहने लगा, 'यदि कोई प्यासा हो तो मेरे पास आए और पिए' (यूहन्ना 7:37)

रुक, मैं किनारे पर बैठ गया। मन में गड़बड़ी मची थी। और इस तरह मनभ्रांत, जो मुझ से कहा गया उन सब बातों के बारे में मैं सोचने लगा। इतने में किसी धुन में गुन गुनाता एक लड़का स्कूल से घर उछलते लौट रहा था मैं ने उसकी आवाज सुनी। ये काफ़ी होगा! मैं ने सोचा। मैं ने उसको पुकारा, 'हे लड़के! इधर आओ!' और वो आ गया। मेरे बगल में बैठ जाने को कहा। उस सज्जन ने जो किताब दी थी उसे पढ़कर सुनाने के लिए कहा।

'क्या तुम पढ़ सकते हो?' मैं ने पूछा। 'हाँ, मैं अपना नाम भी लिख सकता हूँ।' वह पढ़ने लगा। मैं अपना पूरा ध्यान केंद्रित करके सुनने लगा। रात में यीशु के पास आये एक आदमी के बारे उसने पढ़ा। ऐसा पहले कभी नहीं हुआ की उन शब्दों ने मुझ पर बहुत असर डाला। मैंने सुन्दर शब्दों में कहे गये लम्बे संदेशों को कई बार सुना था। मगर यह शब्द सीधे मेरे अंदर घुस गये। जब उसने 'दुबारा जन्म लेने के बारे में पढ़ा, तो मैं पूरी तरह से दंग रह गया, क्योंकि उस सज्जन ने भी पहले उसी के बारे में कहा था। मैं अपनी सोच में पड़ गया और कुछ हद तक नहीं सुना था कि वह क्या पढ़ रहा है। 'जब तक कोई नया जन्म न ले वह परमेश्वर का राज्य नहीं देख सकता।' (यूहन्ना 3:3) अब हर कोई स्वर्ग जाना चाहता है। मैं हमेशा सोचता था कि अगर कोई आदमी जहाँ तक हो सके अच्छा करता रहे; मार्ग का दाम चुकाता है: अपने पड़ोसी से प्रेम करता है और वह अंत में जरूर स्वर्ग पहुँचता है। उसके अलाव और क्या करने को है? मगर इस बात ने मुझे गिरा ही दिया; ये नया जन्म लेने की बात।

'उसे रोक कर पिछला वाक्य दुबारा पढ़ने के लिए कहा। पढ़ते-पढ़ते उसने बोला कि वह सोलह वा वचन पढ़ रहा है। तब मेरे हृदय के अंदर प्रकाश आने लगा। और मैंने सोचा दुबारा जन्म लेने का मतलब यहीं है। यह वचन साफ स्पष्ट कर रहा है। यह परमेश्वर कह रहा है, 'क्यों कि परमेश्वर ने जगत से ऐसा प्रेम किया कि उसने अपना एकलौता पुत्र दे दिया, कि जो कोई उस पर विश्वास करे वह नाश न हो, परन्तु अनन्त जीवन पाए।'

'हाँ, मैं सोच भी नहीं सकता हूँ कि यह मेरे लिए है; और मुझे ऐसा लगा उस में एक शब्द है जो मुख्य है जो मुझे समझ में नहीं आया है। इसलिए मैं ने उस लड़के से पूछा, क्या तुम बता सकते हो इस अंग्रेजी शब्द (हू सो एवर) 'जो कोई' का क्या मतलब है?' जितना मैं ने जाना, शायद यह बच्चा भी उतना ही जानता है। उसने इधर उधर देखा मगर उसका अर्थ किधर भी नहीं दिखा; तब उसने कहा, 'इसका क्या अर्थ है मैं आपको बता नहीं सकता।' मैं ऐसा तो छोड़ नहीं सकता और मैं बहुत उतावला भी हो रहा था। इसलिए जोर दिया कि वह दुबारे सोचे। 'तू तो पढ़ा लिखा है और अपना नाम भी लिख सकता है। तुम को जरूर इस शब्द का क्या मतलब है मालूम होगा।' 'नहीं,' उसने कहा, 'मुझे नहीं मालूम इसका क्या अर्थ है; सिवाय इसके शायद इसका अर्थ हो 'आप, मैं, या अन्य कोई भी।'

'सही,' मैंने कहा, 'पहले क्यों नहीं बताया, ये तो आसानी से मेरी समझ में आ जाता। अब उस वचन को दुबारा पढ़ो। और कृपया उस लम्बे शब्द के बदले में इन शब्दों को रखकर पढ़ो।' और उसने दुबारा पढ़ा। 'क्यों कि परमेश्वर ने जगत से ऐसा प्रेम किया कि उसने अपना एकलौता पुत्र दे दिया कि **आप**, **मैं या अन्य कोई भी** उस पर विश्वास करे वह नाश न हो, परन्तु अनन्त जीवन पाए।

'वहीं के वहीं मैं ने अपने पूरे मन से परमेश्वर को धन्यवाद दिया। मुझ जैसे पापी के प्रति भी इतनी कृपा दिखाने के लिए। उसका प्रेम अद्‌भुत है। और उन शब्दों ने साफ स्पष्ट किया है कि वह सब मेरे लिए है। मैं हल चलाते उस लड़के को मेरे बगल में चलते चलते कई बार उस वचन को दोहरता सुना कि अब वह वचन मैं खुद सीख कर जान गया। उस दिन बाकी पूरी दोपहर का समय मेरा हृदय खुशी से गा उठा। ऊपर नीचे जोतते उन शब्दों को मैं दोहराता ही गया। और हर बार नए सिरे से उन शब्द को समझने लगा। घोड़ों को चारा डाल कर रात भर के लिए आंगन में छोड कर मैं घर चला गया। घर पहुँचते ही पहली बात जो मैं अपनी पत्नी से कही थी, यह है, 'पत्नी! परमेश्वर का अनुग्रह है - इस दफा यकीनन कह रहा था - मैं ने धन हासिल कर लिया! क्योंकि आज के दिन मैं ने अनन्त जीवन पा लिया।' 'परमेश्वर की स्तुति हो, मेरी प्रार्थनाओं का उत्तर मुझे मिल गया।' उसने कहा। वह लम्बे समय से मसीही रही थी। और मैं अपने व्यवहार से अक्सर उसे बहुत दुःख देता था।

'मगर ऐसे कैसे हो गया?' तब मैं ने उसे पढ़कर-या फिर उस पुस्तक खोल कर सुनाया - यूहन्ना तीसरे अध्याय का सोलह व वचन।

मैं उस नई खुशी से भरा था। रात को भोजन के बाद मुझे लगा कि मैं तुरन्त जाकर अपने दोस्तों से इस सुसमाचार को बाँटू। मैं ने

सोचा कि वे जरूर सुनकर खुश हो जायेंगे। 'खसोट' नामक गाँव का एक सार्वजनिक स्थान पर हम हमेशा मिलने के आदी थे। और अब मैं सोचता हूँ कि उस जगह के लिए यह सही नाम है। क्योंकि वह ठीक जगह है जहाँ किसी को पूरी तरह से लूटा जा सकता है और मेरे मामले में यह बात कई बार सच साबित हुई है।

नियम की पुस्तक जेब में ले मैं उस रात वहाँ पहुँच गया। मेरे दोस्त खासकर मेरे जमींदार की शिकायत करने लगे कि मैं कितनी देर से पहुँचा और भला होगा अगर इसका कोई अच्छा कारण हो। जब वे शान्त हो गये, जो मेरी पत्नी से कहा वही उन सब को भी बताया। अपनी बाइबल दिखाकर उनको वही वचन सुनाया: 'क्योंकि परमेश्वर ने जगत से ऐसा प्रेम किया कि उसने अपना एकलौता पुत्र दे दिया, कि जो कोई - यानी आप, मैं या अन्य कोई भी, उस पर विश्वास करे वह नाश न हो, परन्तु अनन्त जीवन पाए।'

'हाँ, सब मुझे घूर रहे थे, मगर बोलने के लिए किसी के पास कोई लफ़्ज़ नहीं थे। आखिरकार जमींदार ने कुछ बोला। मुझे लगता है उसने सोचा कि अगर सब लोग इस तरह, सोचने लगेंगे तो उसका धंधा चौपट हो जायेगा। इसलिए उसने कहा: 'देखो, ऐसी किसी बात की यहाँ जरूरत नहीं है। हर रविवार विद्वानों का हम काफी प्रचार सुनते आ रहे है। तुमको हमारे सामने, बड़ा बनने की कोई जरूरत नहीं है।' मैं ने उसे उत्तर दिया, 'ऐसी बात है क्या जमींदार जी?' इस सांसारिक मेल-जोल का क्या मोल है, सही! मेरी आखों के सामने स्पष्ट खुल गया। मैं इधर आकर किसी के बारे में भी चाहे जितनी भी घिनौनी बात हो, कह सकता हूँ। घर का रास्ता भी भूल जाने तक पी कर आऊ तो भी मेरा यहाँ स्वागत है। मगर अब जबकि मेरी आत्मा ने उद्धार पाया है, मुझे उस के बारे में या मेरा उद्धारकर्ता के बारे में मैं कुछ नहीं कह सकता। तो मुझे फिर यहाँ आना ही नहीं है। ये लो आपका बकाया तीन शिलिंग और अलविदा।'

'और अब, आप आगे मेरा गांव, जाकर मुझे ढूँढना चाहते हो तो आपको सिर्फ इतना पूछना है, 'हू सो एवर' कहाँ रहता है?' तब से उन लोगों ने मुझे यह नाम दिया था। जब मैं उनके पास से गुजरता हूँ तो 'ये लो हू सो एवर जी,' 'ओ जा रहे है बूढ़ा हू सो एवर जी!' कह कर बच्चे भी मेरा मजाक उड़ाते है! मगर मुझे उसकी परवाह नहीं है; वास्तव में मैं खुश हूँ कि अब सब लोग जो मुझे सुन रहे है, इस 'जो कोई' में अपना अपना स्थान ले। अगर नहीं, तो आप उन 'जो कोई' में रहोगे जो प्रकाशितवाक्य 20:15 में है: 'जिस किसी - आप, मैं या अन्य कोई भी - का नाम जीवन की पुस्तक में लिखा, हुआ न मिला, वह आग की झील में फेंक दिया गया!'

- है. पिकरिंग का '100 त्रिल्लिंग टेल्स' देखे।

मसीह रहित कब्र में मैं नहीं जा रहा - और आप?

बफैलो, न्यूयार्क में, मैं एक ट्राम में सफर कर रहा था। टिकट का भाड़ा लेने कंड़क्टर आया। 'नरक कहाँ है?' - यह पर्ची मैं ने उसे दी। उस में कुछ भाग ऐसा था: 'एक नौजवान पर्ची बाँट रहा था। उसकी भेंट कुछ पुराने सहचरों से हो गयी। जब वह प्रभु यीशु मसीह के बारे में और परमेश्वर के उद्धार के मार्ग के बारे में बात करता है, तो वे उनका मजाक उड़ाते है। उनमें से एक ने कहा, 'क्या तुम बता सकते हो नरक कहाँ है?' एक पल हिचकिचाहट के बाद, उस नौजवान ने उत्तर दिया: 'हाँ, मसीह रहित जीवन के अन्त में।''

कंडक्टर हँसते प्रतिवाद करते, 'तुम हमेशा मुझे ये पर्चियां देते हो; शायद तुम सोचते हो कि मैं एक दुष्ट आदमी हूँ। मगर यकीनन मैं एक अच्छा आदमी हूँ। बाइबल ऊपर उठाकर, 'क्या आप इस पुस्तक को देख रहे हो?' मैंने पूछा, 'यह कहता है, 'मन तो सब वस्तुओं से अधिक धोखेबाज होता है, और असाध्य रोग से ग्रस्त है।' (यिर्मयाह 17:9) इस का अर्थ आपका और मेरा मन है। सुनने के लिए तो यह इतनी अच्छी बात नहीं, क्या ये सच नहीं?'

'ओह,' उसने कहा, 'इन सब बातों के बारे में सोचने के लिए अभी बहुत समय है; और मैं तो जवान ही हूँ।' उसने सोचा नहीं; 'आज ही रात उसका प्राण उस से ले लिया जाएगा।' (लूका 12:20) उतरते समय मैं ने कहा, 'याद रखना, समय बुहत कम है। तुम को मसीह रहित कब्र और नरक जाने की जरूरत नहीं है। भक्तिहीन लोगों के लिए मसीह ने अपना प्राण दिया है।'' छः या आठ हफ्ते ही हुए है जबकि यह नौजवान कंडक्टर बना था। अक्सर मैं उसे पर्ची देता था और बात करता था।

अगले दिन सुबह मैं ने फिर

से उसी स्ट्रीट-कार में सफर कर रहा था। एक नया कंडक्टर वहाँ था। उसने बताया कि पिछले दिन जिस कंडक्टर से मैंने बात की थी वह दोपहर को छुट्टी लेना चाहता था। मगर एक गाड़ी से दूसरी में छलाग लगाते समय वह फिसल गया था। दूसरी गाड़ी के नीचे कुचल कर घायल हो गया। और कुछ ही घंटों में वह मर गया। मुझे बहुत दुःख हुआ, यह सोचकर कि उसने एक मसीह रहित कब्र पाई होगी।

उस दिन, बाद में मुझे बताया गया कि उसने उद्धारकर्ता को ग्रहण किया है। और उसने चाहा, मैं यह जान पाऊँ कि वह एक मसीह रहित कब्र में नहीं जा रहा है। मैं उसके घर गया। मरे हुए उस नौजवान आदमी का चहरा देखते मैं सोचने लगा, 'बहुत समय है! ऐसा सोचने वाले, किसी के लिए भी यह कितनी भयानक चेतावनी है।'

स्मरण कर कि जीवन कितना क्षणिक है, (भजन संहिता 89:47) और उसके बाद न्याय का होना नियुक्त किया गया है। (इब्रानियों 9:27) परमेश्वर ने अपने प्रेम और कृपा में इस नौजवान को समय दिया था, मगर वह बहुत अल्प समय था!

हो सकता है यह आप के लिए परमेश्वर का आखिरी संदेश हो! 'देखो, अभी ग्रहण किए जाने का समय है। देखो, अभी वह उद्धार का दिन है।' (2 कुरिन्थियों 6:2) क्या आप यह विश्वास करते हो कि 'अपनी अच्छाई से,' आप बच जाओगे? सुनो: 'जो अपने ऊपर भरोसा रखता है वह निरा मूर्ख है।' (नीतिवचन 28:26) जो मनुष्य बार-बार डाँटे जाने पर भी अपना हठ नहीं छोड़ता, वह अचानक ही नाश हो जाएगा और फिर कोई उपाय न रहेगा।' (नीतिवचन 29:1) कब्र की डर से क्यों जिए? मसीह यीशु विजयी होकर कब्र से फिर से जी उठे हैं। क्या आप अभी उस के पास नहीं आओगे क्या? कल बहुत देर हो चुकी होगी!

'जो उस पर विश्वास नहीं करता है वह दोषी ठहराया जा चुका है, क्योंकि उसने परमेश्वर के एकलौते पुत्र के नाम पर विश्वास नहीं किया।' (यूहन्ना 3:18)

- अबीगैल टौन्सेन्ड लुफ्फे का 'आई एम नॉट गोइंग टू क्रैस्टलेस ग्रेव - आर यू?' देखे।

मत्ती अध्याय 5 - पवित्र बाईबल

21 तुम सुन चुके हो, कि पूर्वकाल के लोगों से कहा गया था कि हत्या न करना, और जो कोई हत्या करेगा वह कचहरी में दण्ड के योग्य होगा।
22 परन्तु मैं तुम से यह कहता हूं, कि जो कोई अपने भाई पर क्रोध करेगा, वह कचहरी में दण्ड के योग्य होगा: और जो कोई अपने भाई को निकम्मा कहेगा वह महासभा में दण्ड के योग्य होगा; और जो कोई कहे "अरे मूर्ख" वह नरक की आग के दण्ड के योग्य होगा।
23 इसलिये यदि तू अपनी भेंट वेदी पर लाए, और वहां तू स्मरण करे, कि मेरे भाई के मन में मेरी ओर से कुछ विरोध है, तो अपनी भेंट वहीं वेदी के साम्हने छोड़ दे।
24 और जाकर पहिले अपने भाई से मेल मिलाप कर; तब आकर अपनी भेंट चढ़ा।
25 जब तक तू अपने मुद्दई के साथ मार्ग ही में हैं, उस से झटपट मेल मिलाप कर ले कहीं ऐसा न हो कि मुद्दई तुझे हाकिम को सौंपे, और हाकिम तुझे सिपाही को सौंप दे और तू बन्दीगृह में डाल दिया जाए।
26 मैं तुम से सच कहता हूं कि जब तक तू कौड़ी कौड़ी भर न दे तब तक वहां से छूटने न पाएगा॥
27 तुम सुन चुके हो कि कहा गया था, कि व्यभिचार न करना।
28 परन्तु मैं तुम से यह कहता हूं, कि जो कोई किसी स्त्री पर कुदृष्टि डाले वह अपने मन में उस से व्यभिचार कर चुका।
29 यदि तेरी दाहिनी आंख तुझे ठोकर खिलाए, तो उसे निकालकर अपने पास से फेंक दे; क्योंकि तेरे लिये यही भला है कि तेरे अंगों में से एक नाश हो जाए और तेरा सारा शरीर नरक में न डाला जाए।
30 और यदि तेरा दाहिना हाथ तुझे ठोकर खिलाए, तो उस को काटकर अपने पास से फेंक दे, क्योंकि तेरे लिये यही भला है, कि तेरे अंगों में से एक नाश हो जाए और तेरा सारा शरीर नरक में न डाला जाए॥
31 यह भी कहा गया था, कि जो कोई अपनी पत्नी को त्याग दे तो उसे त्यागपत्र दे।
32 परन्तु मैं तुम से यह कहता हूं कि जो कोई अपनी पत्नी को व्यभिचार के सिवा किसी और कारण से छोड़ दे, तो वह उस से व्यभिचार करवाता है; और जो कोई उस त्यागी हुई से ब्याह करे, वह व्यभिचार करता है॥